रविवार 9 नवंबर, 2026

विषय — आदम और पतित आदमी

स्वर्ण पाठ: 2 कुरिन्थियों 11 : 3

"परन्तु मैं डरता हूं कि जैसे सांप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सीधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएं।"

उत्तरदायी अध्ययन: उत्पत्ति 1 : 27-31

27 तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने
उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उसने मनुष्यों की सृष्टि की।
28 और परमेश्वर ने उन को आशीष दी: और उन से कहा, फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको
अपने वश में कर लो; और समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब
जन्तुओ पर अधिकार रखो।
29 फिर परमेश्वर ने उन से कहा, सुनो, जितने बीज वाले छोटे छोटे पेड़ सारी पृथ्वी के ऊपर हैं और जितने वृक्षों
में बीज वाले फल होते हैं, वे सब मैं ने तुम को दिए हैं; वे तुम्हारे भोजन के लिये हैं:
30 और जितने पृथ्वी के पशु, और आकाश के पक्षी, और पृथ्वी पर रेंगने वाले जन्तु हैं, जिन में जीवन के प्राण
हैं, उन सब के खाने के लिये मैं ने सब हरे हरे छोटे पेड़ दिए हैं; और वैसा ही हो गया।
31 तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. उत्पत्ति 3 : 1-14 (से ;), 16, 17, 20

1 यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उसने स्त्री से कहा, क्या सच है,
कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना?
2 स्त्री ने सर्प से कहा, इस बाटिका के वृक्षों के फल हम खा सकते हैं।
3 पर जो वृक्ष बाटिका के बीच में है, उसके फल के विषय में परमेश्वर ने कहा है कि न तो तुम उसको खाना
और न उसको छूना, नहीं तो मर जाओगे।
4 तब सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चय न मरोगे,
5 वरन परमेश्वर आप जानता है, कि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी,
और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

6 सो जब स्त्री ने देखा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा, और देखने में मनभाऊ, और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी है, तब उसने उस में से तोड़कर खाया; और अपने पति को भी दिया, और उसने भी खाया।
7 तब उन दोनों की आंखे खुल गई, और उन को मालूम हुआ कि वे नंगे है; सो उन्होंने अंजीर के पत्ते जोड़ जोड़ कर लंगोट बना लिये।
8 तब यहोवा परमेश्वर जो दिन के ठंडे समय बाटिका में फिरता था उसका शब्द उन को सुनाई दिया। तब आदम और उसकी पत्नी बाटिका के वृक्षों के बीच यहोवा परमेश्वर से छिप गए।
9 तब यहोवा परमेश्वर ने पुकार कर आदम से पूछा, तू कहां है?
10 उसने कहा, मैं तेरा शब्द बारी में सुन कर डर गया क्योंकि मैं नंगा था; इसलिये छिप गया।
11 उसने कहा, किस ने तुझे चिताया कि तू नंगा है? जिस वृक्ष का फल खाने को मैं ने तुझे बर्जा था, क्या तू ने उसका फल खाया है?
12 आदम ने कहा जिस स्त्री को तू ने मेरे संग रहने को दिया है उसी ने उस वृक्ष का फल मुझे दिया, और मैं ने खाया।
13 तब यहोवा परमेश्वर ने स्त्री से कहा, तू ने यह क्या किया है? स्त्री ने कहा, सर्प ने मुझे बहका दिया तब मैं ने खाया।
14 तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा, तू ने जो यह किया है इसलिये तू सब घरेलू पशुओं, और सब बनैले पशुओं से अधिक शापित है; तू पेट के बल चला करेगा, और जीवन भर मिट्टी चाटता रहेगा:
16 फिर स्त्री से उसने कहा, मैं तेरी पीड़ा और तेरे गर्भवती होने के दु:ख को बहुत बढ़ाऊंगा; तू पीड़ित हो कर बालक उत्पन्न करेगी; और तेरी लालसा तेरे पति की ओर होगी, और वह तुझ पर प्रभुता करेगा।
17 और आदम से उसने कहा, तू ने जो अपनी पत्नी की बात सुनी, और जिस वृक्ष के फल के विषय मैं ने तुझे आज्ञा दी थी कि तू उसे न खाना उसको तू ने खाया है, इसलिये भूमि तेरे कारण शापित है: तू उसकी उपज जीवन भर दु: ख के साथ खाया करेगा।
20 और यहोवा परमेश्वर ने आदम और उसकी पत्नी के लिये चमड़े के अंगरखे बना कर उन को पहिना दिए।

2. मरकुस 5 : 25-29, 34 (से ;)

25 और एक स्त्री, जिस को बारह वर्ष से लोहू बहने का रोग था।
26 जिस ने बहुत वैद्यों से बड़ा दुख उठाया और अपना सब माल व्यय करने पर भी कुछ लाभ न उठाया था, परन्तु और भी रोगी हो गई थी।
27 यीशु की चर्चा सुनकर, भीड़ में उसके पीछे से आई, और उसके वस्त्र को छू लिया।
28 क्योंकि वह कहती थी, यदि मैं उसके वस्त्र ही को छू लूंगी, तो चंगी हो जाऊंगी।
29 और तुरन्त उसका लोहू बहना बन्द हो गया; और उस ने अपनी देह में जान लिया, कि मैं उस बीमारी से अच्छी हो गई।
34 उस ने उस से कहा; पुत्री तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है: कुशल से जा, और अपनी इस बीमारी से बची रह॥

3. यूहन्ना 8 : 1-12

1 परन्तु यीशु जैतून के पहाड़ पर गया।

2 और भोर को फिर मन्दिर में आया, और सब लोग उसके पास आए; और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा।
3 तब शास्त्री और फरीसी एक स्त्री को लाए, जो व्यभिचार में पकड़ी गई थी, और उस को बीच में खड़ी करके
यीशु से कहा।
4 हे गुरू, यह स्त्री व्यभिचार करते ही पकड़ी गई है।
5 व्यवस्था में मूसा ने हमें आज्ञा दी है कि ऐसी स्त्रियों को पत्थरवाह करें: सो तू इस स्त्री के विषय में क्या
कहता है?
6 उन्होंने उस को परखने के लिये यह बात कही ताकि उस पर दोष लगाने के लिये कोई बात पाएं, परन्तु यीशु
झुककर उंगली से भूमि पर लिखने लगा।
7 जब वे उस से पूछते रहे, तो उस ने सीधे होकर उन से कहा, कि तुम में जो निष्पाप हो, वही पहिले उस को
पत्थर मारे।
8 और फिर झुककर भूमि पर उंगली से लिखने लगा।
9 परन्तु वे यह सुनकर बड़ों से लेकर छोटों तक एक एक करके निकल गए, और यीशु अकेला रह गया, और
स्त्री वहीं बीच में खड़ी रह गई।
10 यीशु ने सीधे होकर उस से कहा, हे नारी, वे कहां गए? क्या किसी ने तुझ पर दंड की आज्ञा न दी।
11 उस ने कहा, हे प्रभु, किसी ने नहीं: यीशु ने कहा, मैं भी तुझ पर दंड की आज्ञा नहीं देता; जा, और फिर पाप
न करना॥
12 तब यीशु ने फिर लोगों से कहा, जगत की ज्योति मैं हूं; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा,
परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।

4. मरकुस 12 : 30, 31

30 और तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन से और अपने सारे प्राण से, और अपनी सारी बुद्धि से, और
अपनी सारी शक्ति से प्रेम रखना।
31 और दूसरी यह है, कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रखना: इस से बड़ी और कोई आज्ञा नहीं।

5. यूहन्ना 3 : 16

16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर
विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 516: 28 (ईश्वर)-2

ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि में बनाया, दिव्य आत्मा को प्रतिबिंबित करने के लिए। यह इस प्रकार है कि मनुष्य एक सामान्य शब्द है। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग मानवीय अवधारणाएँ हैं। प्राचीन भाषाओं में से एक में मनुष्य शब्द का प्रयोग मन के पर्याय के रूप में भी किया जाता है।

2. 517: 8-14

आदर्श मनुष्य सृष्टि, बुद्धि और सत्य से मेल खाता है। आदर्श महिला जीवन और प्रेम से मेल खाती है। दैवीय विज्ञान में, हमारे पास भगवान को मर्दाना मानने का उतना अधिकार नहीं है, जितना कि हमें उसे स्त्री मानने का है, क्योंकि प्रेम देवता का स्पष्ट विचार प्रदान करता है।

3. 92: 11-21

पुरानी बाइबल की तस्वीरों में हम ज्ञान और वृक्ष के चारों ओर एक सर्प को देख रहे हैं जो आदम और हव्वा से बात कर रहा है। यह सांप का प्रतिनिधित्व करता है हमारे पहले माता-पिता को अच्छे और बुरे का ज्ञान देने के लिए, इसका अर्थ है आत्मा से बदले हुए पदार्थ या बुराई से प्राप्त ज्ञान। नश्वर मनुष्य की सामान्य अवधारणा के लिए चित्रण अभी भी ग्राफिक रूप से सटीक है — भगवान के आदमी की एक बरछी — यह मानवीय ज्ञान या कामुकता का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, जो भौतिक अर्थों का एक मात्र हिस्सा है।

गलती का पता लगाओ, तो वह झूठ आप पर ही पलट आता है।

4. 530: 26 (**इतिहास**)-29

गलती का इतिहास एक सपने जैसी कहानी है। सपने की न तो कोई असलियत होती है, न कोई समझ और न ही कोई मन; इसलिए सपना देखने वाला और सपना एक ही हैं, क्योंकि उनमें से कोई भी सच या असली नहीं है।

5. 362: 1-12

यह लुका के सुसमाचार के सातवें अध्याय से संबंधित है कि यीशु एक बार एक फरीसी के सम्मानित अतिथि थे, जिसका नाम साइमन था, हालांकि वह साइमन शिष्य के बिल्कुल विपरीत था। जब वे भोजन पर थे, तो एक असामान्य घटना हुई, जैसे कि पूर्वी उत्सव का दृश्य बाधित होता है। एक "अनजान महिला" अंदर आई। इस तथ्य की परवाह किए बिना कि उसे ऐसे स्थान और ऐसे समाज से, विशेष रूप से रब्बी कानून के कठोर नियमों के तहत, वंचित किया गया था, मानो वह एक उच्च जाति के ब्राह्मण के घर में घुसपैठ करने वाली एक हिंदू बहिष्कृत महिला हो, यह महिला (मैरी मैग्डलीन, जैसा कि उसे बाद में कहा गया) यीशु के पास गई।

6. 363: 1-15, 21 (**अगले**)-23

वह एक संगमरमर का जार पकड़े हुए था जिसमें महंगा और सुगंधित तेल था, — शायद चंदन का तेल, जो पूर्व में इस तरह के आम उपयोग में है। बंद जार को तोड़कर, उसने यीशु के पैर तेल से सुगंधित किए, उसके लंबे बालों के साथ उन्हें पोंछते हुए, जो उसके कंधों पर खुले लटक रहे थे, जैसा कि उसकी उम्र की महिलाओं के साथ प्रथागत था।

क्या यीशु ने औरत को अपमान के साथ देखा था? क्या उसने अपने आराध्य को ठुकरा दिया? नहीं! उसने उसे करुणापूर्ण माना। और न ही यह सब था। यह जानकर कि उनके आस-पास के लोग उनके दिल में क्या कहते थे, खासकर उनके मेजबान, — वे सोच रहे थे कि नबी होने के नाते, अति विशिष्ट अतिथि ने एक बार महिला की

अनैतिक स्थिति का पता नहीं लगाया और उसे विदा नहीं किया, — यह जानकर, यीशु ने उन्हें एक छोटी कहानी या दृष्टांत के साथ फटकार लगाई।

...जिसके बाद महिला के लिए यह उल्लेखनीय घोषणा के साथ, "तेरे पाप क्षमा हुए।"

7. 249: 1-5, 18-23

आइए विज्ञान को स्वीकार करते हैं, भाव-गवाही के आधार पर सभी सिद्धांतों को त्यागें, अपूर्ण मॉडल और भ्रामक आदर्श छोड़ दें; और इसलिए हमें एक ईश्वर, एक मन, और वह एक परिपूर्ण, उत्कृष्टता के अपने मॉडल का निर्माण करने दें।

भगवान के "नर और मादा" को प्रकट होने दें।

जीवन, मसीह की तरह है, "वही कल, और आज, और हमेशा के लिए।" संगठन और समय का जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आप कहते हैं, "कल रात मैंने सपना देखा।" यह कितनी बड़ी गलती है! 'मैं' तो आत्मा है। ईश्वर कभी नहीं सोता और उसका स्वरूप कभी सपने नहीं देखता। नश्वर मनुष्य ही आदम जैसे सपने देखने वाले हैं।

8. 306: 30-6

आध्यात्मिक रूप से बनाया गया ईश्वर का मनुष्य भौतिक और नश्वर नहीं है।

सभी मानव कलह के जनक एडम-स्वप्न थे, गहरी नींद, जिसमें इस भ्रम की उत्पत्ति हुई कि जीवन और बुद्धिमत्ता किस पदार्थ से आगे बढ़ी और गुजर गई। यह नास्तिक त्रुटि, या तथाकथित नाग, अभी भी सत्य के विपरीत पर जोर देता है, कह रहा है, “तुम परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे;” इसका मतलब है, मैं सत्य के रूप में वास्तविक और शाश्वत के रूप में त्रुटि करूंगा।

9. 534: 12 (बेटा)-23

कुंवारी माँ के बेटे ने आदम के लिए समाधान बताया; और प्रेरित पॉल उस लड़ाई को समझाते हैं जो ईसा द्वारा पेश की गई दैवीय शक्ति की सोच और 'ऊर्जा' कही जाने वाली उस काल्पनिक भौतिक बुद्धि के बीच है, जो आत्मा के विपरीत है।

रोमियों को लिखी अपनी पत्री में पौलुस कहता है: "क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि न तो परमेश्वर की व्यवस्था के आधीन है, और न हो सकता है। और जो शारीरिक दशा में है, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते। परन्तु जब कि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं।"

10. 192: 4-6, 23-26

हम वैज्ञानिक हैं, केवल तभी जब हम उस पर अपनी निर्भरता छोड़ देते हैं जो असत्य है और सत्य को समझ लेते हैं। हम तब तक वैज्ञानिक नहीं हैं जब तक हम सब कुछ मसीह पर छोड़ नहीं देते।

आप जो अच्छा करते हैं और अवतार लेते हैं वह आपको एकमात्र शक्ति प्राप्त करने योग्य बनाता है। बुराई शक्ति नहीं है। यह ताकत का मजाक है, जो अपनी कमजोरी को मिटाता है और गिरता है, कभी नहीं उठता।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

11. 476: 28-32

जब यीशु ने परमेश्वर के बच्चों की बात की, न कि पुरुषों के बच्चों की, तो उन्होंने कहा, "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में है;" इसका मतलब है, सत्य और प्रेम वास्तविक मनुष्य में राज्य करता है, यह दर्शाता है कि भगवान की छवि में आदमी बेदाग और शाश्वत है।

12. 171: 4-8 (से *4th* ,)

भौतिकता के आध्यात्मिक विपरीत के माध्यम से, यहां तक कि मसीह, सत्य के माध्यम से भी, मनुष्य दिव्य विज्ञान की कुंजी के साथ स्वर्ग के द्वार को फिर से खोल देगा, जिसके बारे में मनुष्यों का मानना है कि वे बंद थे,

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।